INTERNATIONAL JOURNAL OF INNOVATIVE SCIENCE AND RESEARCH TECHNOLOGY

IJISRT A DIGITAL LIBRARY

# AUTHOR CERTIFICATE

THIS IS TO CERTIFY THAT THE MANUSCRIPT, ENTITLED

A Study on Gender Equality in Sustainable Development Goals (SDGs) with Special Reference to Chhattisgarh State, India

AUTHORED BY

Dr. Rajbhanu Patel

HAS BEEN PUBLISHED IN

Volume 7 | Issue 10 | October -2022

ARTICLE DIGITAL NO.

IJISRT22OCT1128

EDITOR IN CHIEF IJISRT

This document certifies that the manuscript listed above was submitted by above said respected author
To verify the submitted manuscript please visit our official website: www.ijisrt.com
Or Email us: editor@ijisrt.com

WWW.IJISRT.COM

IJCRT.ORG ISSN : 2320-2882

INTERNATIONAL JOURNAL OF CREATIVE RESEARCH THOUGHTS (IJCRT)

An International Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

# छत्तीसगढ़ राज्य से आदिवासियों का पलायन: एक अध्ययन

**[1]आरती राठौर, [2]डॉ. राजभानु पटेल**

[1]शोधार्थी, [2]सहायक प्राध्यापक

अर्थशास्त्र विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)

**सारांश:** भारत में आदिवासियों की अपनी विशिष्ट संस्कृति होती है जो निम्न समाजिक-आर्थिक स्थिति वाले भगौलिक दृष्टि से अलग-थलग क्षेत्र में रहते हैं। प्रस्तुत शोध पत्र में छत्तीसगढ़ राज्य के आदिवासियों के बारे में समीक्षा किया गया है। जिसमें आदिवासियों के विषय में संक्षेप में वर्णन किया गया है इसमें बताया गया है की किस कारण से छत्तीसगढ़ राज्य के आदिवासी समुदाय के लोग निरंतर पलायन कर रहे हैं छत्तीसगढ़ में देश के कुल अनुसूचित जनजाति की 7.48% आबादी निवास करती है। अनुमान है कि भारत में लगभग 10 करोड़ लोग अल्पकालिक प्रवास करते हैं इस पत्र में प्रवास के उन कारकों का वर्णन किया गया है जिससे प्रभावित होकर आदिवासी अपने बेहतर आजीविका, बेहतर जीवन गुणवत्ता, रोजगार, आदि के तलाश में अपने मूल स्थान को छोड़कर किसी अन्य बड़े शहरों एवं कस्बों की ओर चले जाते हैं। आदिवासियों के पलायन का मुख्य कारण कृषि क्षेत्र में सिंचाई का अभाव, गरीबी और कर्ज, शिक्षा और रोजगार, सुरक्षा का आभाव तथा पुरुषों एवं महिलाओं का विवाह आदि शामिल है जो आदिवासियों को पलायन करने को मजबूर करती है और इसका परिणाम सामाजिक, आर्थिक, एवं सांस्कृतिक स्तर पर पड़ती है जिससे जनसँख्या पर दबाव, मलिन बस्तियों का निर्माण, रोजगार के अवसर में कमी, मानव तस्करी, और अपराधिक गतिविधियों का बढ़ जाना, पलायन के कारण श्रमिकों की नौकरी, घर, शिक्षा, नौकरी एवं अन्य सुविधाओं के लिए प्रतिस्पर्धा बढ़ जाती है। इस प्रकार से और इसमें किसी भी राज्य के विकास की प्रक्रिया में आतंरिक प्रवास महत्वपूर्ण होता है। पलायन मानव सभ्यता की महत्वपूर्ण विशेषता है। जो की सामाजिक प्रणाली के भीतर होने वाले परिवर्तन की प्रक्रिया से सम्बंधित है। और प्रवास के सुधार के लिए सरकार का दिशा निर्देश की आवस्यकता है इस प्रकार से यह शोध अध्ययन पलायन के कारण एवं परिणाम का महत्वपूर्ण अध्ययन है।

**शब्द कुंजी: आदिवासी, पलायन, आजीविका, रोजगार, विकास, कृषि।**